



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

CF-
7-4-85

सं० 2]
No. 2]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 25, 1985/माघ 5, 1906
NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 25, 1985/MAGHA 5, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज-2
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब(1) के अधीन सूचनाएं
नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1985

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू. 2/एस आर-1/4-84/
40— अतः मुझे, आर.पी. राजेश, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन
सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
म्याथर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु.
से अधिक है और जिसकी संख्या 4759 है तथा जो 5,
इलाका नं. 13, डिण्टी गंज, दिल्ली, में स्थित है (और
इसमें उदाहरण अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख अप्रैल, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम से कम वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-

पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल, सुपुत्र श्रीदेवी प्रसाद अग्रवाल, निवासी शालीमार बाग, दिल्ली, (अन्तरक)

2. श्री सुखदेव मुघिया सुपुत्र श्री चक्रान्त लाल मुघिया, निवासी-9720, गली नीम वाली, नवाब गंज, दिल्ली।

श्रीमती संतोष जैन धर्मपत्नी श्री एम. के. जैन, निवासी 4801, डिप्टी गंज, दिल्ली (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

24/100 हिस्सा, प्रौ.नं. 4759, प्लॉट नं. 5, इलाका नं. 13, डिप्टी गंज, दिल्ली, वा.दा.दो-250 वर्गफुट।

Office of the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range II

Notices Under Section 269D (1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 22nd January, 1985

Ref. No IAC/Acq II/SR-1/1-84/40 :— Whereas I, Sh. R.P. Rajesh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 4759, Plot No. 5, situated at Deputy Ganj, Illaqa No. 13, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on April, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration

for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Jagdish Prasad Aggarwal,
S/o Sh. Devi Prasad Aggarwal,
Shalimar Bahg, Delhi (Transferor).
- (2) Sh. Sukhdev Mungia S/o Sh. Chhakan Lal Bhugia,
9720, Gali Neemwali, Delhi.
Smt. Santosh Jain, W/o Sh. S.K. Jain, 4801, Deputy
Ganj, Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later ;

(b) by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property No. 24/100 undivided share No. 4759, Plot No. 5, Deputy Ganj, Illaqa No. 13, Delhi Mg. 250 Sq. Yds.

निर्देश सं. आई.ए.सी./एव्यू. 2/एस-आर-1/4-84/41:—

अतः मुझे, आर.पी. राजेश, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन मन्त्रिम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 4759 है तथा जो 5 डिप्टी गंज, इलाका नं. 13, दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1984 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की ई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जयनारायण प्रसाद सुपुत्र श्रीदेवी प्रसाद, निवासी ग्रेटर कैलाश पार्ट-1, नई दिल्ली, (अन्तरक)
2. श्री सुखदेव मुणिया सुपुत्र श्री चक्रलाल मुणिया, निवासी-9720, गली नीमवाली, नवाब गंज, दिल्ली, श्रीमती सतोंज जैन धर्मपत्नी श्री एम.के. जैन निवासी-4801, डिप्टी गंज, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवरोहताजरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के

अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

24/100 हिस्सा, प्रो.न. 4759, प्लॉट नं. 5, डिप्टी गंज, इलाका नं. 13, दिल्ली, तदादी-250 वर्गगज,

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-1/4-84/41 :— Whereas I, Sh. R.P. Rajesh being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No 4759 Plot No. 5, situated at Deputy Ganj Illaqa No. 13, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on April, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Jai Narain Prasad S/o Sh. Devi Prasad, Greater Kailash Part-I, New Delhi, (Transferor)
- (2) Sh. Sukhde Mungia S/o Sh. Chhakkan Lal Mungia, 9720, Gali Neemwali, Nawabganj, Delhi. Smt. Santosh Jain w/o Sh. S.K. Jain, 4801, Deputy Ganj, Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

24/100 share in property No. 4759, Plot No. 5, Deputy Ganj, Illaqa No. 13, Delhi. Mg. 250 Sq. Yds.

निर्देश सं. आर्. ए. सी./एक्यू. 2/एस-आर-1/4-84/59:—अतः मुझे, आर.पी. राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. में अधिक है और जिसकी संख्या 4759 है तथा जो डिप्टी गंज, इलाका न. 13, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-वार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्रीमती राज कुमारी अग्रवाल धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री जयन्ती प्रसाद अग्रवाल निवासी-सी-430, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली, सोल ट्रस्ट गोतम फेमलि ट्रस्ट, (अन्तरक)
2. श्री मुखेश मुधिया सुपुत्र श्री चक्रान लाल मुधिया, निवासी 9720, गली नीम वाली, नवाब गंज, दिल्ली,

श्रीमती संतोष जैन धर्म पत्नी श्री एस.के. जैन, निवासी-4301, डिप्टी गंज दिल्ली, (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

24/100 हिस्सा, प्रौ.न. 4759, प्लॉट न. 5, डिप्टी गंज, इलाका न. 13, दिल्ली, त/ए/डी-250 वर्ग गज,

Ref. No IAC/Acq. II/SR-1/4-84/59 :—Whereas I, Sh. R.P. Rajesh being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 4759, Plot No. situated at Deputy Ganj, Illaqa No. 13, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on April, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Raj Kumari Aggarwal w/o Late Sh. Jayanti Prasad Aggarwal, C-430, Defence Colony, New Delhi sole trustee of Gautam Family Trust. (Transferor)
- (2) 1. Sh Sukhdev Mugia s/o Sh. Chakkan Lal Mugia 9720, Gali Neemwali, Nawab ganj Delhi,
2. Smt. Santosh Jain, w/o Sh. S.K. Jain, 4801, Deputy Ganj, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

24/100 shares of property No. 4759 Plot No. 5, Deputy Ganj, Illaga No. 13, Delhi Mg. 250 sq. yds.

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/4-84/61:—
अतः, मुझे आर. पी. राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 4759 है तथा जो 3, डिप्टी गंज, इलाका नं. 13, दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती विजय अग्रवाल धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री जगत प्रसाद प्रदीप अग्रवाल, प्रणव- अग्रवाल सुपुत्र श्री जगत प्रसाद, श्रीमती निरजा बंसल पिता का नाम श्री जगत प्रसाद, धर्मपत्नी श्री पवन-कुमार बंसल द्वारा अटारनी श्री सुभाष चन्द्र जैन सुपुत्र श्री बीरज लाल जैन, निवासी 39, हनुमान रोड, नई दिल्ली, (अन्तरक)
2. श्री मुखदेव मुंधिया सुपुत्री श्री चकन लाल मुंधिया निवासी -9720, गली नीमवाली, नवाबगंज, दिल्ली, श्रीमती संतोष जैन धर्मपत्नी श्री. एस. के. जैन, निवासी-4801, डिप्टी गंज, दिल्ली, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

24/100 हिस्सा, प्रौ. नं. 4759, प्लॉट नं. 5, डिप्टी गंज, इलाका नं. 13, दिल्ली, नादादी-250 वर्ग गज।

Ref. No. IAC/Acq/II/SR-1/4-84/61 :—Whereas J. Sh. R. P. Rajesh being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4759, Plot No. 5, situated at Deputy Ganj, Illaga No. 13, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer on April, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Vijay Aggarwal w/o Late Sh. Jagat Pershad, Pradeep Aggarwal, Pranav Aggarwal both sons of Sh. Jagat Pershad, Smt. Neerja Bansal d/o Sh. Jagat Pershad, and w/o Sh. Pawan Kumar Bansal through her attorney Sh. Subhash Chand Jain s/o Sh. Brij Lal Jain (General Attorney), 39 Hanuman Road, Delhi (Transferor)
- (2) Sh. Sukhdev Mungia s/o Chhakkan Lal Mungia, 9720, Gali Neemwali, Nawabhanj, Delhi
Smt. Santosh Jain w/o Sh. S.K. Jain, 4801, Deputy Ganj, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property No. (24,100 share) 4759, Plot No. 5, Deputy Ganj, Illaga No. 13, Delhi Mg. 250 Sq. Yds.

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/4-84:—
अतः, मुझे, आर. पी. राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000 रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 4759 है तथा जो 5, इलाका नं. 13, डिप्टी गंज, दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य लिखित में वास्तविक रूप से कायत नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या ;

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये ।

अतः, अब, युक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती काली देवी धर्मपत्नी श्री देवी प्रताप. निवासी 225, मुखदेव विहार, नई दिल्ली, (अन्तरक)
2. (1) श्री सुखदेव मुधिया मुपुष चक्रान लाल मुधिया, निवासी-9720, गली नीम वाली, नवाब गंज, दिल्ली,
(2) श्रीमती संतोष जैन धर्मपत्नी श्री एस. के. जैन, निवासी 4801, डिप्टी गंज दिल्ली, (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के रात्रपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों

पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में क्या परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4/100 हिस्सा प्रौ. म. 4759, प्लॉट नं. 5, इलाका नं. 13, डिप्टी गंज दिल्ली ता.दादी 250 वर्ग गज.

आर.पी. राजेश, सक्षम अधिकारी,
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2

Ref. No IAC/Acq.II/SR-1/4-84 :—Whereas I, Sh. R.P. Rajesh being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 4759, Plot No. 5, situated at Deputy Ganj, Illaqa No. 13, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office the registering Officer on April, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under

the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kali Devi w/o Sh. Devi Prashad, 225, Sukhdeo Vihar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Sukhdev Mungia s/o Chhakkan Lal Mungia, 9720, Gali Neemwali, Nawabganj, Delhi
Smt. Santosh Jain w/o Sh. S.K. Jain 4801, Deputyganj, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property No. 4/100 share No. 4759 Plot No. 5, Deputy Ganj, Illaqa No. 13, Delhi.

R.P. RAJESH, Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax) Acquisition Range II)

